

**अप्रमादी वि.** (तत्.) 1. अपने कार्यों में सावधान रहने वाला 2. सतत जागरूक।

**अप्रमेय वि.** (तत्.) 1. जो परिमित न हो 2. जिसके बारे में जाना न जा सके।

**अप्रयत्न वि.** (तत्.) 1. प्रयत्नहीन, प्रयासरहित 2. उदासीन पुं. (तत्.) 1. प्रयत्न का अभाव, उदासीनता 2. काहिलपना विलो. प्रयत्न।

**अप्रयुक्त क्षमता स्त्री.** (तत्.) वाणि. संयंत्र की वास्तविक क्षमता का वह भाग, जिसका उपयोग (उत्पादन में गिरावट के कारण) नहीं हो पा रहा है idle capacity

**अप्रयुक्त वि.** (तत्.) जिसका प्रयोग न हुआ हो, जो काम में न लाया गया हो प्रयो. ये महँगी मशीनें कई महीनों से अप्रयुक्त पड़ी हैं विलो. प्रयुक्त।

**अप्रयुक्तत्व पुं.** (तत्.) प्रयोग में नहीं लाए जाने का भाव या स्थिति काव्य. एक काव्य दोष जिसमें अप्रचलित शब्दों के प्रयोग के कारण अर्थ अस्पष्ट रहता है।

**अप्रयोग पुं.** (तत्.) 1. प्रयोग का अभाव 2. गलत प्रयोग।

**अप्ररूपिता स्त्री.** (तत्.) निर्धारित या मूल प्रारूप (टाइप) के अनुसार न होने की स्थिति या भाव।

**अप्रवर्तक वि.** (तत्.) जो प्रवर्तक नहीं है, जो प्रेरित या उत्तेजित न करे।

**अप्रवर्तनीय वि.** (तत्.) जिसका प्रवर्तन न किया जा सके, जिसे लागू न किया जा सके।

**अप्रवर्ती वि.** (तत्.) जिसमें सक्रियता न हो, निष्क्रिय, निरुत्साही।

**अप्रवीण वि.** (तत्.) जो प्रवीण न हो, अकुशल।

**अप्रवृत्त वि.** (तत्.) 1. निष्क्रिय, जो कार्यरत न हो 2. किसी अप्रवर्तित आदेश, अधिनियम आदि का वह भाग जिसे अमल में नहीं लाया गया हो विलो. प्रवृत्त।

**अप्रवृत्ति स्त्री.** (तत्.) 1. प्रवृत्ति या रुचि का अभाव 2. कार्यरत न होने की स्थिति विलो. प्रवृत्ति।

**अप्रवेश्य वि.** (तत्.) 1. जहाँ प्रवेश न किया जा सके, प्रवेशवर्जित 2. जिसका वेधन न किया जा सके।

**अप्रवेश्य शैल पुं.** (तत्.) भूवि. जिन शैलों के आर-पार कोई द्रव पदार्थ नहीं जा सकता।

**अप्रवैती पुं.** (तत्.) अप्रवैतवादी व्यक्ति, एकेश्वरवादी।

**अप्रवैध वि.** पुं. 1. जो विभाजित न हो, अविभक्त, द्वैधहीन 2. प्रभाव वाला।

**अप्रशंसनीय वि.** (तत्.) जो प्रशंसा के योग्य न हो, जिसकी प्रशंसा न की जा सके विलो. प्रशंसनीय।

**अप्रशस्त वि.** (तत्.) जो प्रशंसित या शुभ न हो।

**अप्रशिक्षित वि.** (तत्.) जिसे प्रशिक्षित न किया गया हो।

**अप्रसंग वि.** (तत्.) प्रसंगहीन, संबन्धरहित पुं. गलत प्रसंग।

**अप्रसन्न वि.** (तत्.) 1. जो प्रसन्न न हो, असंतुष्ट 2. नाराज, नाखुश 3. दुःखी विलो. प्रसन्न।

**अप्रसन्नता स्त्री.** (तत्.) 1. नाराजगी, असंतोष 2. उदासी, प्रसन्नता।

**अप्रसाद पुं.** (तत्.) कर्मचारी के व्यवहार आचरण आदि को लेकर अन्य अधिकारी द्वारा व्यक्त अप्रसन्नता जो कर्मचारी को औपचारिक रूप से संप्रेषित की जाती है। displeasure

**अप्रसाधित वि.** (तत्.) 1. जिसका प्रसाधन न हुआ हो, असंस्कारित 2. जिसकी साज-सज्जा न की गई हो, अस्त-व्यस्त, अव्यवस्थित।

**अप्रसाधित अयस्क पुं.** (तत्.) भूवि. खान से निकाला गया कोयला आदि खनिज जो अपने